

प्रेषक,

एस0एस0वल्दिया,
उप सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

निदेशक,
युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल,
देहरादून।

युवा कल्याण अनुभाग:

देहरादून दिनांक 23 मार्च 2007

विषय: जनपद चम्पावत की जिला योजना के अन्तर्गत युवा भवन निर्माण मद में द्वितीय किस्त की धनराशि की स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक निदेशालय के पत्र संख्या 1338/सात-1455/2006-2007, दिनांक 20 मार्च 2007 तथा शासनादेश संख्या 68/VI-I/2006 दिनांक 24 मार्च 2006 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि युवा भवन चम्पावत हेतु द्वितीय किस्त के भुगतान हेतु रू० 22.47 लाख (रू० बाईस लाख सैंतालीस हजार मात्र) की स्वीकृति प्रदान करते हुए वर्तमान वित्तीय वर्ष 2006-2007 में इतनी ही धनराशि को आपके निर्वहन पर रखते हुए व्यय करने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2. आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को तथा जो दरें शिड्यूल-ऑफ-रेट में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव से ली गई हो, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता से अनुमोदन करना आवश्यक होगा। तदोपरान्त ही आगणन की स्वीकृति मान्य होगी।

3. कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के किसी भी दशा में कार्य को प्रारम्भ न किया जाये।

4. कार्य पर उतना ही व्यय किया जाये, जितना कि स्वीकृत नार्म हैं, नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।

5. एक मुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करने के उपरान्त कार्य टेकअप किया जाये।

6. कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएँ तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित कराना सुनिश्चित करें।

7. आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जायें।

8. आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जाये, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जायें।

10. निर्माण सामग्री प्रयोग में लाने से पूर्व सामग्री का किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा ली जाये तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को ही प्रयोग में लाया जायें।

11. जी०पी०डब्लू फार्म 9 की शर्तों के अनुसार निर्माण कार्य सम्पादित करना होगा तथा समय से कार्य को पूर्ण न करने पर 10 प्रतिशत की दर से आगणन की कुल लागत का निर्माण इकाई से दण्ड वसूल किया जायेगा।

12. मुख्य सचिव उत्तरांचल शासन के शासनादेश संख्या- 2047/XIV-219(2006) दिनांक 30 मई 2006 द्वारा निर्गत आदेशों के क्रम में कार्य कराते समय अथवा आगणन गठित करते समय कड़ाई से पालन करने का कष्ट करें।

13. किसी भी में व्यय के पूर्व वित्तीय हस्तपुस्तिका, बजट मैनुअल, भंडार कय नियम तथा मितव्ययता सम्बन्धी समय-समय पर निर्गत शासनादेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय। उपकरणों का कय डी०जी०एस०एण्ड डी० की दरों पर किया जायेगा और ये दरें न होने की स्थिति में टेडर (कोटेशन) विषयक नियमों का अनुपालन करते हुये ही किया जायेगा।

14. उपरोक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2006-2007 के अनुदान संख्या -11 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक - 2204 - खेलकूद तथा युवा सेवायें-00-001-निदेशन तथा प्रशासन-91-जिला योजना-9101-प्रादेशिक विकास दल एवं युवा कल्याण -42-अन्य व्यय के आयोजनागत पक्ष के नामें डाला जायेगा।

15. उपरोक्त आदेश वित्त विभाग के अशा० पत्र संख्या 1940 वित्त अनुभाग-3/2006 दिनांक 22 मार्च 2007 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।


भवदीय,

(एस०एस०वल्दिया)
उपसचिव

पृष्ठांकन संख्या:- 55 /VI-I/2007-2(1)2006 तददिनांकित
प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तरांचल, देहरादून।
- 2- निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री जी, उत्तरांचल शासन।
- 3- निजी सचिव, मा0 युवा कल्याण मंत्री जी उत्तरांचल शासन।
- 4- अपर सचिव, वित्त उत्तरांचल शासन।
- 5- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 6- अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियंत्रण सेवा ईकाई चम्पावत।
- 7- जिलाधिकारी, चम्पावत।
- 8- वित्त अनुभाग-3 उत्तरांचल शासन।
- 9- एन0आई0सी0 सचिवालय देहरादून।
- 10- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,


(एन0एस0वल्लिया)
उपसचिव

230307029